मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 02 सितम्बर 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	02-09-14	03-09-14	04-09-14	05-09-14	06-09-14
वर्षा (मि.मी.)	22	18	23	20	6
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	37	36	36	35	35
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	27	27	26	26	26
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	7	8	8	6	5
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	86	90	88	88	92
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	58	70	71	68	72
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	9	18	16	12	12
हवा की दिशा	दक्षिण	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

वर्षा की संभावना

किसान भाई वातावरण में आर्द्रता एवं वर्षा के मध्यनजर पौध संरक्षण रसायनों का छिड़काव मौसम के खुलने के बाद ही करें।

मूंग व मोठ में फली छेदक कीट की रोकथाम के लिए मोनोक्रोटोफॉस 36 डब्ल्यू.एस. सी. या क्यूनॉलफॉस 25 ई.सी. दवा एक लीटर या कार्बेरिल 50 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण ढ़ाई किलो प्रति हैक्टर की दर से फूल व फली आते ही छिड़काव करें।

ग्वार की फसल में छाछया रोग के नियत्रण के लिए 25 किलो गंधक का चूर्ण भुरकें या एक लीटर डायनोकेप 48 प्रतिशत ई.सी. का छिड़काव प्रति हैक्टर करें।

ग्वार की फसल में मोयला, सफेद मक्खी व हरा तेला की रोकथाम हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 प्रतिशत एस.एल. या डायमिथोएट 30 ई.सी. एक लीटर दवा छिड़कें अथवा मैलाथियान 5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टर भुरकें।

तिल की फसल पर पत्तीयों के धब्बे वाला रोग दिखाई देने पर 20 ग्राम स्ट्रेप्टोसाईक्लिन प्रति हैक्टर के 15–15 दिन के अन्तराल से 2–3 बार छिड़काव करें।

पशुओं में एच.एस. एवं बी.क्यू. का टीका लगवायें व सभी पशुओं को पेट के कीड़े मारने की दवा पिलायें।